सामान्य अध्ययन (टेस्ट - XXIII)

GENERAL STUDIES (Test - XXIII)

मॉड्यूल - XXIII / Module - XXIII

DTVF/18(JS)–M–GS23

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

नाम (Name): Anoop Meena

क्या आप इस बार मुख्य परीक्षा दे रहे हैं? | हाँ | ✓ | नहीं | |

मोबाइल नं. (Mobile No.): _____

ई-मेल पता (E-mail address): _____

टेस्ट नं. एवं दिनांक (Test No. & Date): 23 / ~~Aug~~ Sept 9, 2018

परीक्षा का माध्यम
(Medium of Exam.): _____

विद्यार्थी के हस्ताक्षर
(Student's Signature): Anoop

रोल नं. [यू.पी.एस.सी. (प्रा.) परीक्षा-2018] [Roll.No. UPSC (Pre) Exam-2018]:

0	8	3	4	4	6	9

नोट: प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश अंतिम पृष्ठ पर संलग्न है।

Evaluation Analysis

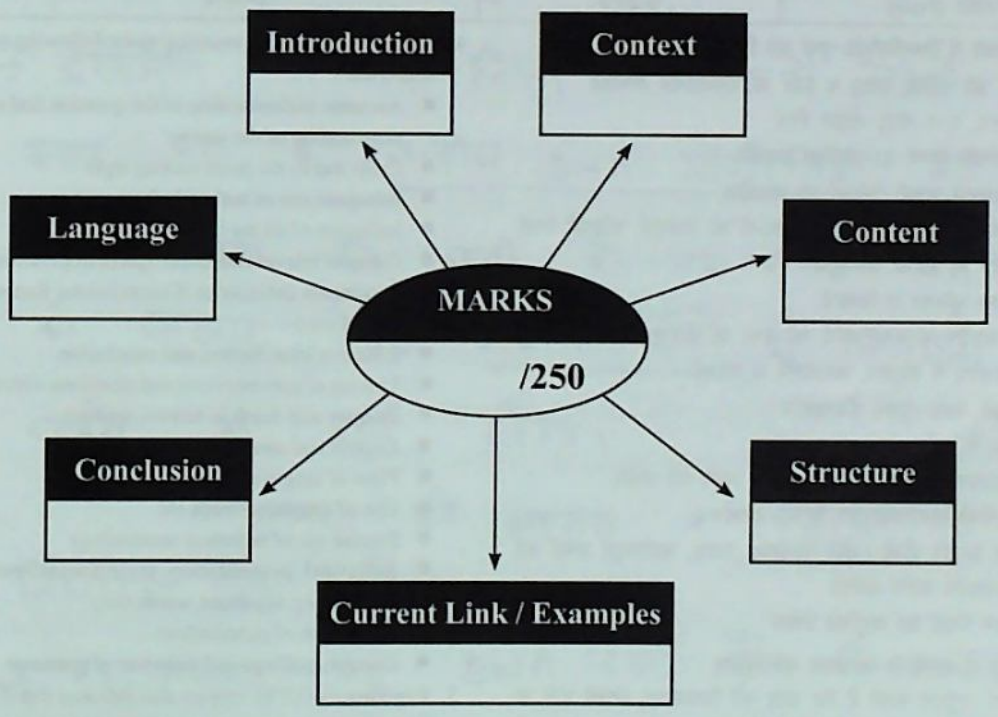

मूल्यांकनकर्त्ता (कोड तथा हस्ताक्षर)
Evaluator (Code & Signatures)

पुनरीक्षणकर्त्ता (कोड तथा हस्ताक्षर)
Reviewer (Code & Signatures)

मूल्यांकन की पद्धति

प्रिय अभ्यर्थियों,

आपकी उत्तर-पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते हुए परीक्षक-समूह के सदस्य निम्नलिखित निर्देशों का ध्यान रखते हैं। आप भी इन्हें ध्यान से पढ़ें ताकि आप अपने प्राप्तांकों का तार्किक कारण समझ सकें।

परीक्षकों के लिये निर्देश

1. मूल्यांकन में अंकों का वही स्तर रखा जाना चाहिये जैसा संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) के परीक्षकों द्वारा रखा जाता है।
2. सामान्य अध्ययन का जो उत्तर हर दृष्टिकोण से सटीक व उत्कृष्ट है; उसे अधिकतम 60% अंक दिये जाने चाहिये क्योंकि आयोग द्वारा किये जाने वाले मूल्यांकन में भी इससे अधिक अंक मिलना लगभग असंभव है। वैकल्पिक विषयों के उत्कृष्ट उत्तरों तथा श्रेष्ठतम निबंधों में अधिकतम 70% तक अंक दिये जा सकते हैं।
3. कृपया अंकों का वितरण निम्नलिखित तालिका के अनुसार करें-

उत्तर का स्तर (Standard of Answer)	सामान्य अध्ययन में अंक-स्तर (Marks Standard G.S.)	वैकल्पिक विषय तथा निबंध में अंक-स्तर (Marks Standard - Optional Subject and Essay)
उत्कृष्ट (Excellent)	51-60%	61-70%
बहुत अच्छा (Very Good)	41-50%	51-60%
अच्छा (Good)	31-40%	41-50%
औसत (Average)	21-30%	31-40%
कमज़ोर (Poor)	0-20%	0-30%

4. कृपया उत्तर में निम्नलिखित गुणों को विशेष प्रोत्साहन दें-
   - प्रश्न की सटीक समझ व उत्तर की व्यवस्थित रूपरेखा
   - संक्षिप्त, टू-द-पॉइंट लेखन शैली
   - प्रामाणिक तथ्यों का समुचित उपयोग
   - अधिकतम ज़रूरी बिंदुओं का समावेश
   - सरकारी दस्तावेज़ों (मंत्रालयों/आयोगों की रिपोर्ट्स, पॉलिसी पेपर्स आदि) के संदर्भों की चर्चा
   - प्रभावी भूमिका व निष्कर्ष
   - समकालीन घटनाओं/प्रसंगों को उत्तर से जोड़ना
   - दृष्टिकोण में संतुलन, समावेशन व गहराई
   - अच्छी, साफ-सुथरी हैंडराइटिंग
   - भाषा में प्रवाह
   - आवश्यकतानुसार डायग्राम्स, नक्शों आदि का प्रयोग
   - तकनीकी शब्दावली का सटीक उपयोग
   - सुंदर प्रस्तुति शैली (छोटे पैराग्राफ्स रखना, महत्त्वपूर्ण शब्दों को अंडरलाइन करना आदि)
   - विराम चिह्नों का समुचित प्रयोग
   - भाषा में वर्तनी व व्याकरण की शुद्धता
5. टॉपर्स के अनुभव बताते हैं कि उत्तर की विषयवस्तु अच्छी होने पर आयोग के परीक्षक शब्द-सीमा के थोड़े बहुत उल्लंघन पर अंक नहीं काटते हैं। कृपया आप भी इसी दृष्टिकोण के अनुसार अंक-निर्धारण करें।

Method of Evaluation

Dear Candidates,

While assessing your answer-scripts, the evaluators are required to follow the given instructions. You should also read them carefully to understand the logic behind the marks obtained by you in the tests.

Instructions for the Evaluators

1. The level of marks while evaluating the answers should be kept as per UPSC (Union Public Service Commission) standards as far as possible.
2. The answers of General Studies which are accurate and excellent from every perspective should be awarded a maximum of 60% marks as it is almost impossible to get more than that in actual UPSC examination. Excellent answers in optional subjects and the best written essays can be awarded a maximum of 70% marks.
3. Please assign the marks according to the following table-

4. Please devote special attention to the following qualities in an answer–
   - Accurate understanding of the question and systematic presentation of the answer
   - Crisp and to the point writing style
   - Adequate use of authentic facts
   - Inclusion of all the important points
   - Citing of relevant facts and figures from relevant official documents (Ministries /Commissions Reports, Policy Papers etc.)
   - Effective introduction and conclusion
   - Linking of current events and situations with the answer
   - Balance and depth in answer-writing
   - Legible and clean handwriting
   - Flow of language
   - Use of diagrams, maps etc
   - Precise use of technical terminology
   - Beautiful presentation style (small paragraphs, underlining important words etc.)
   - Proper use of punctuations
   - Correct spellings and right use of grammar
5. Experience of UPSC toppers also indicates that if the content of the answer is good, the UPSC examiners do not cut the marks on slight violations of the word-limit. Please award marks strictly according to the above-mentioned instructions.

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

1. डीएनए प्रौद्योगिकी (उपयोग एवं अनुप्रयोग) विनियमन विधेयक, 2018 की मुख्य विशेषताओं का उल्लेख करते हुए इस विधेयक का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिये। (200 शब्द) 12.5

Critically analyse the important provisions of the DNA Technology (Use and Application) Regulation Bill, 2018. (200 words) 12.5

DNA प्रौद्योगिकी से तात्पर्य है DNA की संरचनात्मक विविधता के आधार पर पहचान प्रणाली स्थापित करना।

हाल में D.N.A प्रौद्योगिकी (उपयोग व अनुप्रयोग) विनियमन विधेयक 2018 लाया गया है। इसके निम्नलिखित उद्देश्य हैं—

→ इसमें DNA प्रौद्योगिकी के केवल पहचान, आपराधिक न्याय प्रणाली के उपयोग तक सीमित किया गया है।

→ इसमें नियामक निकाय के रूप में राष्ट्रीय स्तर पर राष्ट्रीय DNA प्रौद्योगिकी बोर्ड की स्थापना की गयी है। यह संगठन सरकार को सलाह देने, डीएनए बैंकों की निगरानी रखने का कार्य करेगा।

साथ ही मानक व सिद्धांतों का निर्धारण भी करेगा।

→ राज्यस्तर पर DNA डेटा बैंक की स्थापना की जाएगी।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

→ इसमें डीएनए डेटा का वर्गीकरण भी किया गया है साथ ही उद्देश्य भी बताए गये हैं यह भी सुनिश्चित किया गया है कि बिना व्यक्ति की अनुमति के डेटा का संग्रहण न किया जाये।

→ DNA प्रौद्योगिकी बोर्ड द्वारा प्रयोगशालाओं को लाइसेंस प्रदान किया जाएगा।

→ इसमें पर्याप्त सुरक्षागत प्रावधान भी शामिल हैं जैसे - DNA data का उल्लंघन करने पर ₹ 1 लाख का जुर्माना। साथ ही यह प्रावधान भी है कि उपयोग के उपरांत डेटा को समाप्त कर दें।

परंतु इस विधेयक की आलोचना भी की जा रही है वास्तुतः डेटा के उजागर करने पर व्यक्ति की निजता का हनन होने लगता है साथ ही सरकार द्वारा डेटा के प्रयोग के संदर्भ में इस विधेयक में प्रावधान नहीं किये गए हैं

डेटा के संग्रहण, घटनास्थल की जाँच हेतु प्रशिक्षित मानव संसाधन न

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

वित्त की पर्याप्त व्यवस्था नहीं की गयी है इसके अतिरिक्त इस विधेयक में संस्थात्मक प्रावधान भी अत्यंत सीमित हैं साथ ही यूरोपीयन डेटा विनियमन - कानून के सिद्धांतों का भी समायोजन नहीं किया गया है

समग्र रूप से सभी हितधारकों के समन्वय करते हुए व निजता के संरक्षण के साथ उचित सुरक्षा उपाय करके इस बिल को अधिनियमित करना उचित होगा।

कृपया इस स्थान कुछ न लिखें।
(Please don't wr anything in this

Copyright © Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

3. 'बिग डाटा' से आप क्या समझते है? बिग डाटा का प्रयोग किन क्षेत्रों में किया जा सकता है? भारत में बिग डाटा के समक्ष कौन-सी चुनौतियाँ हैं? (200 शब्द) 12.5

What do you mean by 'Big Data'? In which areas Big Data can be used? What are the challenges for Big Data in India? (200 words) 12.5

कृपया इस स्थान कुछ न लिखें।
(Please don't wr anything in this

बिग डाटा से तात्पर्य है अत्यधिक मात्रा में ~~अ~~ अप्रसंस्कृत आँकड़े जिनका प्रयोग किसी निश्चित प्रतिरूप से समझने में किया जा सकता है।

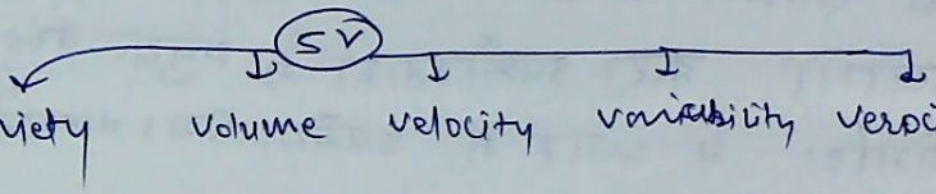

बिग डेटा का प्रयोग निम्नलिखित क्षेत्रों में किया जा सकता है—

→ कृषि के क्षेत्र में मौसम पूर्वानुमान, बाजार मूल्य, उर्वरक, सब्जियों बाजार में इसका प्रयोग संभव है।

→ वित्तीय बाजार को समझने हेतु बिग डेटा का उपयोग करना।

→ अस्पतालों, विभिन्न रिपोर्टों व सर्वेक्षण से संग्रहित डेटा का प्रयोग रोग, प्रतिरूप, पोषण प्रतिरूप को समझने में किया जा सकता है।

→ आपदा प्रबंधन (घोषणा, पुनर्वास) में भी

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

बिग डेटा का प्रयोग संभव है

→ सोशल मीडिया, इंटरनेट से संगृहित डेटा का प्रयोग करके लोगों के व्यवहार अभिरुचियों व सामाजिक विचारों को समझने में इसका उपयोग किया जा सकता है

→ राजनीतिक दलों द्वारा मतदाताओं के विचारों को समझने में भी उपयोग किया जाता है तो उद्योगों द्वारा उपभोक्ताओं के अनुरूप वस्तु निर्माण व प्रवाह में उपयोग किया जाता है

बिग डेटा हेतु भारत में निम्नलिखित कमियाँ हैं —

→ बिग डेटा प्रायः अप्रसंस्कृत व अतिशय मात्रा में होता है अतः इसे प्रसंस्कृत करने में अत्यधिक भारी अवसंरचना की जरूरत है। जो अभी भारत में प्रारंभिक स्तर पर भी उपलब्ध नहीं है

→ ये डेटा अविश्वसनीय प्रकृति के होते हैं, इन्हें फिल्टर करने हेतु उपयुक्त प्रणाली का अभाव है

→ पर्याप्त मानव संसाधन व तकनीकी समर्थन नहीं है

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

→ बिग डेटा के संदर्भ में स्पष्ट विधिक तंत्र का भी अभाव है। जैसे डेटा प्रोटेक्शन एक्ट का अभाव आदि।

अतः पर्याप्त वित्तीय सहायता, व तकनीकी समर्थन एवं कुशल मानव संसाधनों के साथ विधिक समर्थन द्वारा बिग डेटा का उपयोग किया जा सकता है।

कृपया इस स्थान कुछ न लिखें।
(Please don't wr anything in this

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

4. क्लोनिंग के अनुप्रयोगों को स्पष्ट करते हुए इससे जुड़े विवाद के बिंदुओं का उल्लेख कीजिये। (200 शब्द) 12.5

Explain the applications of cloning and highlight the controversies associated with it. (200 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

क्लोनिंग से तात्पर्य है आनुवांशिक व बाह्य अभिलक्षणात्मक रूप से मूल जनक की प्रतिलिपि तैयार करना। यह जैव प्रौद्योगिकी से संबंधित विद्या है।

क्लोनिंग के अनेक अनुप्रयोग है। इसका सर्वाधिक महत्वपूर्ण अनुप्रयोग मानव अंगों का क्लोन करना है। वस्तुतः अंग प्रत्यारोपण उद्योग में क्लोनिंग के माध्यम से शारीरिक अंतिकी पर्याप्त पूर्ति की जा सकती है जैसे दुर्घटना के समय खोए अंगों को पुनः प्राप्त करना।

इसके अतिरिक्त वर्तमान में जैव-विविधता पर अनेक जलवायवीय व मानवीय खतरे है। अतः विभिन्न जीवों की विलुप्ति को नियंत्रित करने हेतु इसका प्रयोग किया जा सकता है।

आनुवांशिक संशोधित करके क्लोनिंग के द्वारा जीवों की रोग प्रतिरोधकता, पशुओं

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान कुछ न लिखें।
(Please don't wri anything in this

की उच्च उत्पादक क्षमता को बढ़ाया जा सकता है जैसे गरिमा हंस इसका सर्वप्रमुख उदाहरण है

परंतु क्लोनिंग में निम्नलिखित मुद्दे निहित है —

→ सर्वप्रथम नैतिक विवाद यह है कि क्लोनिंग प्राकृतिक गतिविधियों में अनावश्यक हस्तक्षेप है जो अंततः हानि उत्पन्न कर सकता है। साथ ही कुछ लोग इसे ईश्वर की कृति में मानवीय हस्तक्षेप मानते है।

→ क्लोनिंग में आनुवांशिक विविधता समाप्त रहती है यह केवल संख्या बढ़ा सकती है न कि आनुवांशिक विविधता। इसलिए यदि एक समान प्रतिकूल परिस्थितियों की स्थिति बनती है तो सभी क्लोन जोखिम में पड़ सकते है।

→ यह अमीर - गरीब, विकसित - अविकसित में भी विभेद उत्पन्न करता है क्लोनिंग की प्रक्रिया अमीर व विकसितों के पक्ष में झुकी है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

→ यह प्रक्रिया डिजाइनर बेबी की संकल्पना में पहला कदम है। संभव है जिससे उत्परिवर्तन जैसे नकारात्मक परिवर्तन सामने आए।

इसलिए क्लोनिंग को केवल विशिष्ट क्षेत्रों तक सीमित रखते हुए विनियमित रूप से उपयोग करना चाहिए। जैसे अंग प्रत्यारोपण में आदि।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

5. माइक्रो एलइडी (MicroLED) के विषय में चर्चा करते हुए ओएलइडी (OLED) व माइक्रो एलइडी (MicroLED) के बीच अंतर स्पष्ट कीजिये। (200 शब्द) 12.5

While discussing MicroLED, explain the difference between OLED and MicroLED. (200 words) 12.5

कृपया इस स्थान
कुछ न लिखें।

(Please don't writ
anything in this s

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

6. 'भारत-बांग्लादेश सीमा पर बढ़ती घुसपैठ तथा अराजक तत्त्वों की आवाजाही ने सीमा-पार से होने वाली अवैध गतिविधियों को एक गंभीर चुनौती के रूप में प्रस्तुत किया है।' बांग्लादेश सीमा पर एकीकृत सीमा सुरक्षा ग्रिड की महत्ता के संदर्भ में कथन को स्पष्ट कीजिये। (200 शब्द) 12.5

'The rising intrusion and movement of subversive elements has promoted illegal activities across the India-Bangladesh border and has emerged as a serious challenge. Discuss the statement with respect to importance of the Integrated Border Security Grid along the Indo-Bangladesh border. (200 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भारत - बांग्लादेश की सीमा के अधिकांश भाग की फेंसिंग हो चुकी है परंतु अभी भी मिजोरम, त्रिपुरा व पश्चिम बंगाल के कुछ भागों में फेंसिंग होना शेष है

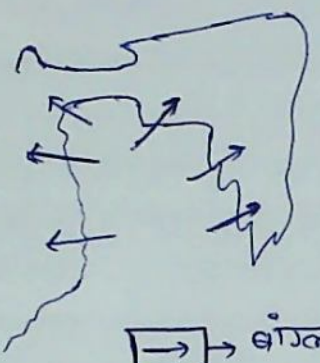

इससे घुसपैठ व अवैध गतिविधियाँ बढ़ी है। असम, पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा में अनेक बांग्लादेशी अवैध रूप से घुसे हुए है। इन्होंने स्थानीय जनांकिकीय प्रतिरूप में → परिवर्तन किये है जिससे असम आंदोलन जैसी हिंसात्मक गतिविधियों का जन्म हुआ है।

साथ ही मानव तस्करी, पशु तस्करी, हथियार तस्करी, जाली

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

समूहों में शामिल होने जैसी गतिविधियाँ बढ़ी हैं।

अतः इस संदर्भ में एकीकृत सीमा सुरक्षा ग्रिड की पर्याप्त महत्ता है इसके तात्पर्य है तकनीकी, भौतिक व मानव संसाधनों का समायोजित रूप से प्रयोग करना।

एकीकृत सीमा सुरक्षा ग्रिड का एक महत्वपूर्ण भाग तकनीकी प्रयोग है जिसमें लेजर कैमरे, सर्च लाइट- ड्रोन आदि का प्रयोग शामिल है। यह अवैध गतिविधियों को नियंत्रित करेगा।

- साथ ही उचित संचार नेटवर्क व कमांड & कंट्रोल सेंटर के माध्यम से भारतीय सुरक्षा बलों के साथ बांग्लादेशी सुरक्षा बलों में समन्वय स्थापित होगा।

इसके अतिरिक्त सीमा अवसंरचना जैसे सड़क, फेंसिंग एवं एकीकृत चेक पोस्ट के माध्यम से इनको नियंत्रित करने में एकीकृत सीमा सुरक्षा ग्रिड का पर्याप्त महत्व है।

कृपया इस स्थान कुछ न लिखें।
(Please don't w anything in thi

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

इस संदर्भ में हाल में व्यापक एकीकृत लीमा प्रबंधन प्रणाली (CLBMS) को अंगीकृत किया गया है।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

7. विकास एवं वामपंथी उग्रवाद के मध्य अंतर्संबधों पर प्रकाश डालिये। वामपंथी उग्रवाद व नक्सली हिंसा पर नियंत्रण हेतु सरकार के द्वारा किये जाने वाले प्रयासों की चर्चा करते हुए कुछ सुझाव दीजिये। (200 शब्द) 12.5

Highlight the relation between development and left-wing extremism. Discuss the efforts made by the government to control left-wing extremism and Naxal violence and suggest additional measures. (200 words) 12.5

कृपया इस स्थान कुछ न लिखें।

(Please don't w anything in this

विकास व वामपंथ एक दूसरे से पर्याप्त रूप से अंतर्संबंधित है-

→ असमतलवार क्षेत्रों में भूमि के असमान वितरण के कारण उन्न हिंसात्मक आंदोलन का विस्तार हुआ है

साथ ही कुपोषण, संसाधनों पर वाही लोगों का नियंत्रण, अपर्याप्त इनफ्रास्ट्रक्चर ने इसे बढ़ाया है

यही नहीं शासन में अपर्याप्त भागीदारी के साथ अनुचित क्षेत्रों में पंचायतों के विस्तार ने भी इसको बढ़ाया है समाजी योजनाओं का उचित क्रियान्वयन नहीं हो पाया है

→ उत्तरी-पूर्वी भारत में भौतिक अवसंरचना की कमी के कारण, व शरणार्थियों के बढ़ते वनाधिकार एक्ट का उचित क्रियान्वयन नहीं

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

से यहाँ उग्रवादी गतिविधियाँ बढ़ी हैं।

इन पर नियंत्रण हेतु अनेक सरकारी प्रयास किए गए हैं—

→ PESA एक्ट 1996 के द्वारा स्थानीय संस्थाओं में भागीदारी बनाना।

→ आत्मसमर्पण - पुनर्वास - रोजगार की नीति के द्वारा नक्सलवादी आंदोलन में कमी आयी है

→ सैन्य बलों का आधुनिकीकरण एवं पुलिस व सैन्य बलों में समन्वय स्थापित करना।

→ रोशनी जैसी योजना के माध्यम से कौशल प्रशिक्षण करना

→ SAMADHAN सिद्धांत व रणनीति का अनुसरण करना।

→ प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, वनाधिकार एक्ट 2006, जनजातीय उपयोजना, एंड अप स्कीम के माध्यम से पुनर्स्थापन करने के प्रयास किये जा रहे हैं साथ ही वन बंधु कल्याण योजना का शिलान्यास भी प्रमुख है।

अन्य सुझाव → स्थानीय निकायों के समय पर चुनाव व

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

लोगों की भागीदारी बढ़ानी चाहिए।

→ उद्योगों की स्थापना आदि हेतु स्थानीय लोगों की सहमति अनिवार्यतः लेनी चाहिए।

→ विस्थापित लोगों का बेहतर पुनर्वास करना एवं पर्याप्त आजीविका व भूमि प्रदान करना।

→ इन क्षेत्रों में कुपोषण, एनीमिया जैसी समस्या विद्यमान है अतः राष्ट्रीय पोषण मिशन व जच्चा सुरक्षा अभियान को प्रभावी रूप से लागू करना।

→ भौतिक अवसंरचना जैसे सड़क, कनेक्टिविटी का पर्याप्त विकास करके शेष भारत से भागीदारी व संबंध बढ़ाना।

→ इनके वित्तीय व हथियारों के स्रोतों को नियमित करना।

हाल में रेड कॉरिडोर के कुछ निर्धारित से यह पता चला है कि इसने कमी आयी है

कृपया इस स्थ
कुछ न लिखें।
(Please don't
anything in th

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

8. विगत वर्षों में कश्मीर घाटी में बढ़ती हिंसा किस प्रकार भारत की आंतरिक सुरक्षा के लिये चुनौती प्रस्तुत कर रही है? विवेचना कीजिये। (200 शब्द) 12.5

How the growing violence in the Kashmir Valley over the recent years has threatened India's internal security? Discuss. (200 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

कश्मीर घाटी में हाल में अनेक हिंसात्मक गतिविधियाँ बढ़ी हैं।

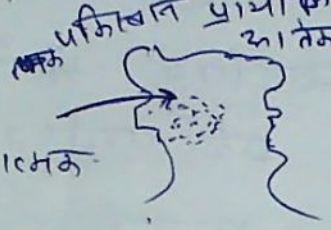

कश्मीर की समस्या मुख्यतः भारत-पाकिस्तान विभाजन, पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के कारण अस्थिरता से अस्थिरतर होती जा रही है।

विगत कुछ वर्षों में कश्मीर घाटी में बढ़ती हिंसा निम्नलिखित रूप से भारत की आंतरिक सुरक्षा हेतु चिंता बनती जा रही है—

→ युवाओं में बढ़ती चरमपंथी भावनाएँ इस समस्या को और तीव्र करके इसको अनियंत्रित दिशा में ले जा रही हैं।

→ हाल में यह प्रवृत्ति पायी गयी है कि स्थानीय लोगों द्वारा चरमपंथी गतिविधियों को समर्थन दिया जा

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

रहा है में बढ़ते अविश्वास को मुखित कर रहा है।

→ पाक प्रायोजित गतिविधियाँ भी बढ़ी हैं। जैसे उरी में आतंकवादी हमला।

→ इसके अतिरिक्त हथियारों व ड्रग्स की अवैध तस्करी भी बढ़ने लगी है। में आतंकी विस्फोटक का प्रमुख माध्यम बनता जा रहा है

→ सैन्य बलों पर पथराव जैसी घटनाएँ भी आंतरिक सुरक्षा हेतु चुनौती उत्पन्न कर रही हैं।

→ हिंसात्मक गतिविधियों के कारण स्थानीय निकायों का समय पर चुनाव नहीं होने, साथ ही बेरोजगारी बढ़ने, २०१४ की बाढ़ के कारण भी लोगों में चरमपंथी भावनाएँ बढ़ी हैं।

अतः जम्मू-कश्मीर में सरकार को पर्याप्त पुनर्वास करने, पैलेट गन के प्रयोग को नियंत्रित करने, शिक्षा व रोजगार के अवसर उपलब्ध कराकर, बेहतर जीवन

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

प्रबंधन हेतु व्यापक एकीकृत सीमा प्रबंधन प्रणाली अपनाकर आंतरिक सुरक्षा का प्रबंधन कर रहा है।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

9. 'धन शोधन की समस्या आर्थिक-सामाजिक असमानता उत्पन्न करने के लिये उत्तरदायी है।' कथन का विश्लेषण करते हुए धन शोधन की समस्या को दूर करने हेतु सरकार द्वारा किये जा रहे प्रयासों की चर्चा कीजिये। (200 शब्द) 12.5

'Money laundering generates socio-economic disparities.' Analyse the statement and discuss the steps taken by the government to address the problem of money laundering. (200 words) 12.5

धन शोधन से तात्पर्य है अवैध गतिविधियों से संगृहित धन को वैध मुद्रा प्रणाली में समायोजित करना एवं उसका अनुचित उद्देश्यों हेतु प्रयोग करना।

धन शोधन निम्नलिखित सामाजिक-आर्थिक समस्या उत्पन्न करता है-

→ यह ग्रे मैक इकॉनोमी को बढ़ावा देता है जिसपर विनियामक प्रणालियों का नियंत्रण नहीं रहता है।

→ इससे आतंकवाद, नक्सलवाद जैसे आंतरिक सुरक्षा हेतु हानिकारक गतिविधियों को वित्तपोषण होता है।

→ ड्रग तस्करी व हथियार तस्करी को बढ़ावा मिलने से सामाजिक ~~[illegible]~~ बढ़ते हैं।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

→ धनशोधन के माध्यम से ~~संगठित के~~ धन का हस्तांतरण अतिवादी संगठनों को होता है जिससे सरकार के पास वित्तीय संसाधनों की कमी हो जाती है एवं जनकल्याणकारी कार्यों जैसे स्वास्थ्य, रोजगार सृजन हेतु पर्याप्त धन नहीं रह पाता है

सरकार द्वारा निम्नलिखित उपाय किये गए हैं—

→ धनशोधन रोधी एक्ट 2002 के माध्यम से इसे अपराधी प्रवृत्ति घोषित किया गया है

→ गैर सरकारी संगठनों की समय-समय पर लेखा-परीक्षा की गयी है तथा ही शेल कंपनियों पर भी नियंत्रण लगाए गए हैं

→ विदेशी अनुदान/अंशदान विनियमन अधिनियम का क्रियान्वयन।

→ डिमुद्रीकरण, ऑपरेशन क्लीन मनी के माध्यम से धनशोधन गतिविधियों को रोकने का प्रयास किया गया है

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

इसके अतिरिक्त वित्तीय विनियामकों द्वारा KYC मानकों का कठोर अनुपालन सुनिश्चित करके भी इसे नियंत्रित करने का प्रयास किया गया है।

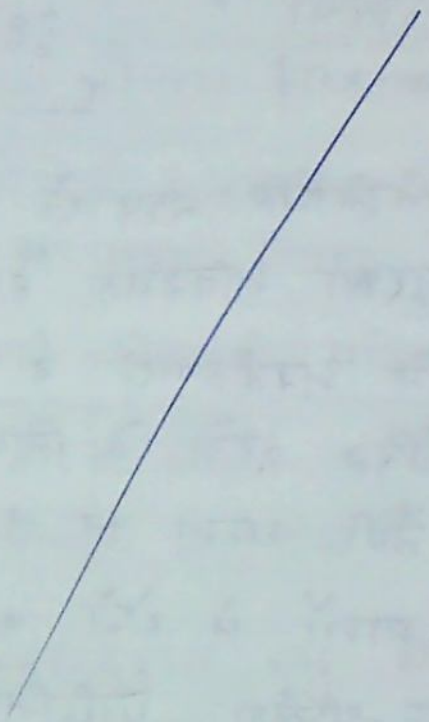

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

10. भारत एक विस्तृत समुद्री सीमा वाला देश है, इसकी संवेदनशीलता को देखते हुए तटीय क्षेत्र की सुरक्षा आवश्यकताओं की चर्चा करें तथा तटीय क्षेत्र की सुरक्षा संबंधी चुनौतियों से निपटने हेतु सरकार द्वारा किये जा रहे प्रयासों की चर्चा करें। (200 शब्द) 12.5

India is a country with long maritime boundary. Given its vulnerability highlight the need for security of the coastal regions and discuss the efforts of the government to strengthen it. (200 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भारत में मुंबई पर आतंकवादी हमला मूलतः सुरक्षागत खामियों के कारण हुआ था।

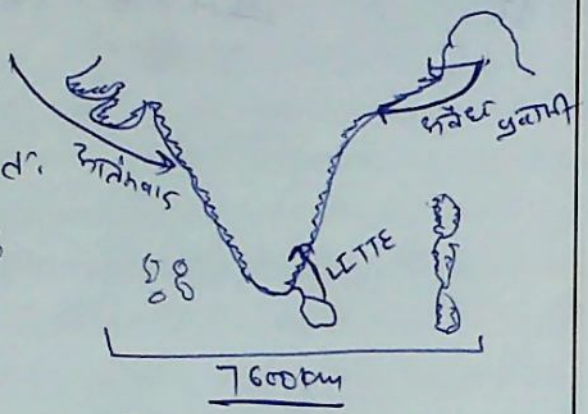

अतः निम्नलिखित रूप से भारत को तटीय सुरक्षा आवश्यक है —

→ भारत में आतंकवादी व उग्रवादी गतिविधियों को नियंत्रित करने के लिए। ताकि मुंबई हमले जैसी घटना पुनः न हो।

→ समुद्री मार्गों से होने वाली तस्करी (विशेषकर श्रीलंका, पाकिस्तान व बांग्लादेश) में मानव व हथियार तस्करी पर नियंत्रण रखना।

→ भारतीय तटीय राज्यों के मछुआरों की सुरक्षा के लिए।

→ ब्लू इकॉनोमी बनने हेतु तटीय सुरक्षा पहला कदम है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

तटीय क्षेत्र की सुरक्षा चुनौतियों से निपटने हेतु सरकार द्वारा प्रयास किये जा रहे है —

→ तटीय सुरक्षा हेतु राष्ट्रीय रणनीति 2015 में एकीकृत दृष्टिकोण व क्षेत्रीय दृष्टिकोण व आवश्यकता में समन्वय स्थापित करने का प्रयास किया है।

→ तटीय सुरक्षा योजना के माध्यम से आधुनिक प्रौद्योगिकी अपनाना, विभिन्न बलों में समन्वय का प्रयास किया जा रहा है।

→ तटीय निगरानी नेटवर्क परियोजना के माध्यम से गश्ती बढ़ाने व रडारों का आधुनिकीकरण किया जा रहा है

→ नेशनल डेस्टल कम्युनिकेशन एण्ड कोर्डिनेशन इंटेलीजेंस के माध्यम से सूचना संग्रहण।

→ इण्डियन ओशन नेवल सिंपोजियम के माध्यम से तटीय देशों का सहयोग प्राप्त करने के प्रयास किये जा रहे है

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

→ सागर सुरक्षा प्रहरी बल का आयोजन करना।

अतः वन साइज फिट फॉर ऑल की रणनीति से दूर हटते हुए क्षेत्रीय दृष्टिकोण को अपनाने का प्रयास किया जा रहा है।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

11. रेडियोएक्टिव प्रदूषण क्या है? इसके स्रोतों की चर्चा करते हुए बताएँ कि यह मानव स्वास्थ्य को किस प्रकार दुष्प्रभावित करता है? साथ ही, इसके नियंत्रण के उपायों की चर्चा कीजिये। (200 शब्द) 12.5

What is radioactive pollution? Discuss its sources and Explain how it affects the human health? Also, suggest measures to contain it. (200 words) 12.5

रेडियोधर्मिता युक्त पदार्थों के उचित रखरखाव न होने पर उनके द्वारा अनियमित रूप से विकिरण उत्सर्जित किये जाते है। इसे रेडियोएक्टिव प्रदूषण कहते हैं।

इसके अनेक स्रोत है जैसे- ई-कचरे का एकत्रण होन एवं उसका उचित प्रबंधन न करना (बैटरी, कंप्यूटर आदि); चिकित्सीय उपकरण जैसे- एम-रे मशीन आदि।

रेडियोएक्टिव प्रदूषण मानव में कैंसरजन्य दशायें उत्पन्न करते है। साथ ही ये उत्परिवर्तन (जैसे आनुवंशिक लक्षणों) में भी सक्षम है यह प्रदूषण रक्त कैंसर, श्वसन गतरोगो को उत्पन्न कर सकता है।

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

रेडियोएक्टिव प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए उपाय —

→ ई-वेस्ट का बेहतर निष्पादन करने हेतु ई-ई-वेस्ट ट्रीटमेंट प्लांट लगाना। इसके अतिरिक्त मेडिकल उत्पादों का भी बेहतर निपटान हो।

→ रेडियोएक्टिव प्रदूषण के ~~साधनों~~ स्रोतों के निपटान हेतु उत्पादकों की जिम्मेदारी सुनिश्चित करना।

→ इनके स्रोतों के व्यापार पर निगरानी रखना एवं नियामकीय प्रणाली निश्चित करना।

→ लोगों को रेडियोएक्टिव प्रदूषण से संवेदनशील क्षेत्रों की ओर जाने पर नियंत्रण रखना।

→ इन पदार्थों के अंतर्राष्ट्रीय आयात-निर्यात के संदर्भ में बेहतर सूचना आदान प्रदान करना।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

समग्र रूप से उचित निदान, मानवीय गरिमा, उत्तरदायित्व सुनिश्चित करके रेडियोएक्टिव प्रदूषण पर नियंत्रण किया जा सकता है।

कृपया इस स्थान कुछ न लिखें।
(Please don't w anything in this

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

12. मानव तथा सांस्कृतिक धरोहरों पर अम्ल वर्षा के प्रभावों को स्पष्ट करते हुए इससे निपटने के लिये रणनीतिक उपायों की चर्चा कीजिये। (200 शब्द) 12.5

Elucidate the effects of acid rain on human beings and cultural heritage and discuss the measures to deal with it. (200 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

अम्ल वर्षा से तात्पर्य है सामान्य वर्षा का pH मापक्रम में कम होने से उसमें अम्लीय तत्वों की मात्रा बढ़ जाती है।

मानव व सांस्कृतिक धरोहरों पर अम्लवर्षा के अनेक प्रभाव परिलक्षित होते है—

→ सांस्कृतिक धरोहरों में संधारण बढ़ने से उनकी मजबूती कमजोर होती है तो साथ ही समीपवर्ती वनों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ने से दृश्यता विभंगित होती है।

साथ ही सांस्कृतिक धरोहरों के रंग, जालियाँ, मेहराबों पर भी गुणात्मक कमी आती है।

→ अम्लवर्षा के कारण मृदा में अम्लीयता बढ़ने से मृदा की उत्पादकता पर

Copyright © Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

नकारात्मक प्रभाव पड़ता है जिससे खाद्य व पोषण सुरक्षा जोखिम में रहती है।

साथ ही मानव आवास, वनों व जीव जंतुओं पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। जलीय स्रोत प्रदूषित होने से मानव का स्वास्थ्य नकारात्मक रूप से प्रभावित होता है।

अतः अम्लवर्षा से निपटने हेतु निवारक व उपचारात्मक उपाय करने चाहिए।

→ निवारक उपायों में नए उद्योगों की स्थापना से पूर्व उचित तकनीकी का प्रयोग व पर्यावरणीय मानदंडों के अनुपालन को सुनिश्चित करना चाहिए।

साथ ही वनावरण बढ़ाकर इसे नियंत्रित करना चाहिए।

→ उपचारात्मक उपायों में सांस्कृतिक धरोहरों का पुनरुद्धार करना चाहिए एवं उनमें अम्लवर्षारोधी बनाना चाहिए।

कृपया इस स्थान कुछ न लिखें।
(Please don't w anything in this

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

इसके अतिरिक्त मृदा में शाटीय तत्व जैसे लाइमस्टोन का प्रयोग करके मृदा की उत्पादकता को पुनः प्राप्त करने का प्रयास करना चाहिए।

लोगों को जागरूक करना चाहिए की सीमन की प्रारंभिक वर्षा के समय पर्याप्त सुरक्षा उपाय अपनाये एवं जलस्रोतों को ढककर रखें।

इसके अतिरिक्त पर्याप्त तकनीकी विकास जैसे अम्लरोधी संरचना के निर्माण हेतु के द्वारा इसे नियंत्रित किया जा सकता है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

13. 'मानव-केंद्रित विकास की संकल्पना, मानव के अस्तित्व के लिये खतरा है।' पर्यावरणीय समस्याओं के संदर्भ में कथन की व्याख्या करें। (200 शब्द) 12.5

'The concept of human-centered development is a threat to human existence.' Explain the statement in the context of environmental problems. (200 words) 12.5

मानव केंद्रित विकास की संकल्पना मानव को असंधारणीय विकास की ओर ले जाती है। यह विकास समावेशी व दीर्घकालिक न होकर क्षणिक व अल्पकालिक होता है।

मानव केंद्रित विकास से संसाधनों का अविवेकपूर्ण तरीके से दोहन होता है। इससे भावी पीढ़ियों हेतु पर्याप्त संसाधन शेष नहीं रह पाते हैं जिससे संसाधनों को लेकर तनाव बढ़ता है।

साथ इससे पर्यावरण प्रदूषण व जैसी समस्या उत्पन्न होती है।

मानव केंद्रित विकास से पारिस्थितिकी तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गयी है जिससे ~~###~~ उनकी उत्पादकता में कमी आयी है एवं जैव विलुप्तिकरण बढ़ने लगा है।

कृपया इस स्थान कुछ न लिखें।
(Please don't wr anything in this

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

मानव केंद्रित विकास से ग्लोबल वार्मिंग जैसी जलवायु परिवर्तन की घटनाएँ होने लगी है इससे सागर तल में वृद्धि, हिम पिघलन होने से सागरीय पारिस्थिकी पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है जो सवाल विरंतन के रूप में सामने आने लगा है

वनो का तीव्र अवनयन होने से CO_2 की मात्रा बढ़ने लगी है जिससे पृथ्वी ग्रीन हाउस में परिवर्तित होने लगी है

प्राकृतिक आपदायें व उनके प्रतिरूप में परिवर्तन होने लगा है जिससे मानव के साथ-साथ स्थानीय पारिस्थिकी पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ा है जैसे- ग्लेशियरों के पिघलने से तटीय पारिस्थिकी पर अस्तित्व में नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है

अतः सतत विकास लक्ष्यों के अनुरूप मानव को अपना विकास करके पर्यावरण व स्वयं के अस्तित्व को

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

बचाए रखने का प्रयास करना चाहिए।

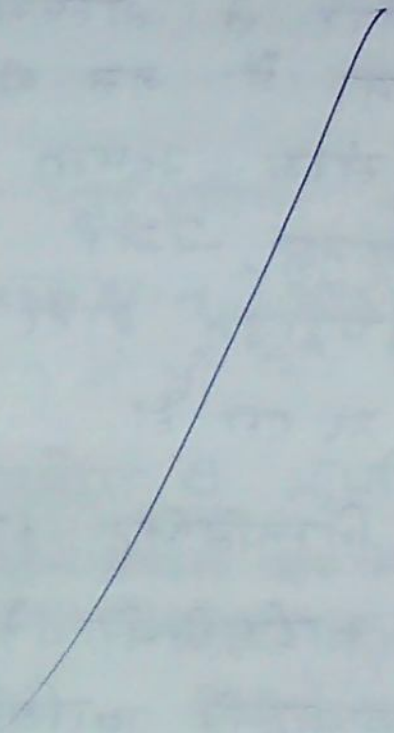

कृपया इस स्थान कुछ न लिखें।

(Please don't wri anything in this s

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

14. बंगलूरू, चेन्नई जैसे भारत के कुछ बड़े शहर 'डे-जीरो' के करीब हैं। डे-ज़ीरो के कारणों की खोज करें तथा इससे निपटने हेतु सुझाव प्रस्तुत करें। (200 शब्द) 12.5

Some major cities of India like Bengaluru and Chennai are close to 'Day-Zero'. Identify the causes of Day-Zero and suggest measures to deal with it. (200 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

डे - जीरो से तात्पर्य है मांग की तुलना में जल की आपूर्ति। इससे जलीय संकट उत्पन्न होता है। भारत में बंगलुरु, चेन्नई एवं दक्षिण अफ्रीका का केपटाउन शहर डे-जीरो का सामना कर रहा है।

इसके निम्नलिखित कारण है-

→ शहरों में आर्द्रभूमियों के नियमित संकुचन से जलापूर्ति बाधित हो रही है जैसे बेंगलुरु।

→ जल संरक्षण व उपयोग की दक्षतम तकनीकों का उपयोग न करना। साथ ही उद्योगों द्वारा जल की मांग बढ़ी है।

→ जनसंख्या में वृद्धि होने से मांग, आपूर्ति से अधिक हो गयी है।

→ मॉनसूनी वर्षा में कमी एवं भूजल

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

प्रवाह में कमी आयी है

→ भौमजल का अतिशय दोहन भी इसके लिए उत्तरदायी है

सुझाव →

→ नगरीय आर्द्रभूमियों को पुनर्जीवित करना। इसके प्रावधान आर्द्रभूमि संरक्षण नियम 2017 में भी किये गए हैं।

→ जल के उपयोग की प्राथमिकता निर्धारित करना। जैसे- प्रथम रूप में जल का उपयोग मानव हेतु पेयजल के रूप में तदोपरांत क्रमशः उद्योग व मनोरंजनात्मक गतिविधियों में होगा।

→ मनोरंजन हेतु उपयोग में लाये जाने वाले जल पर शुल्क का आरोपण।

→ तकनीकी के विकास के द्वारा दक्षतम जल उपयोग करना। जैसे- पुनर्चक्रण द्वारा उत्पन्न जल का द्वितीयक गतिविधियों में प्रयोग करना।

→ नदियों में प्रवाह सुनिश्चित

Copyright © Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

करना - वर्षा जल संरक्षण, लोगों में जागरूकता उत्पन्न करना आदि उपाय भी किये जा सकते हैं।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

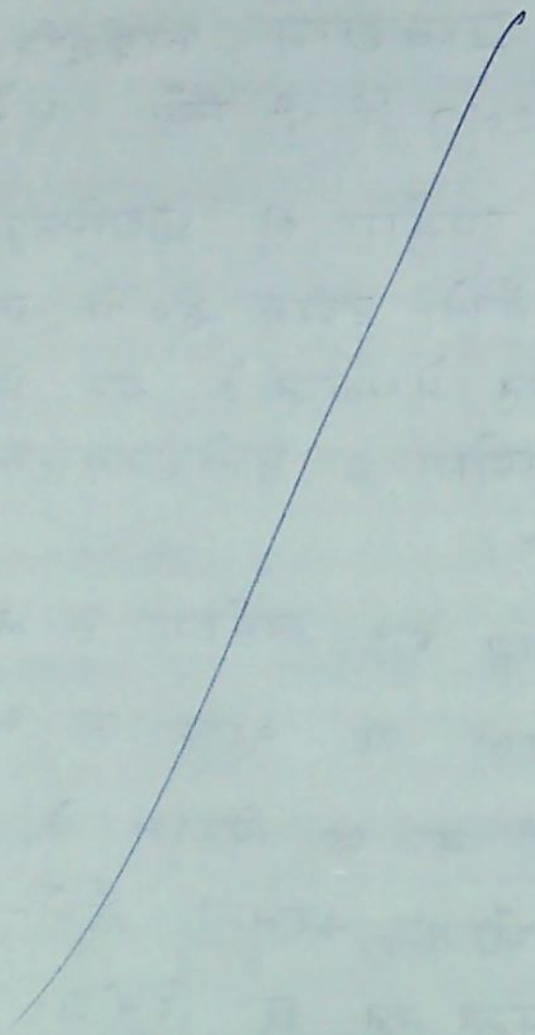

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

15. बायोफ्यूल्स पर राष्ट्रीय नीति, 2018 के मूल तत्त्वों का उल्लेख करें एवं विभिन्न क्षेत्रों पर पड़ने वाले इसके सकारात्मक प्रभावों की चर्चा कीजिये। (200 शब्द) 12.5

Highlight the basic features of National Policy on Biofuels, 2018 and discuss its positive effects on various sectors. (200 words) 12.5

बायोफ्यूल्स से तात्पर्य है जैव उत्पादों जैसे फसल अवशेष, शैवालों आदि का प्रयोग व संश्लेषण करके ईंधन की प्राप्ति करना।

बायोफ्यूल्स पर राष्ट्रीय नीति, 2018 के तत्व →

→ इसमें प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में राष्ट्रीय समन्वय समिति तथा कैबिनेट सचिव की अध्यक्षता में निगरानी समिति का प्रावधान किया है

→ बायोरिफाइनरी की स्थापना हेतु वित्तीय सहायता के साथ लाइसेंस सुगमता के प्रावधान हैं

→ इसमें मुख्यतः द्वितीय पीढ़ी के जैव ईंधन (और खाद्य फसलों) पर बल दिया गया है ताकि खाद्य व बायोफ्यूल के बहस का समाधान किया जा सके।

→ इसके अतिरिक्त इसमें किसानों को

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

अपनी उपज हेतु पर्याप्त बाजार मूल्य प्रदान करने का भी प्रावधान है

इस नीति के निम्नलिखित सकारात्मक प्रभाव होंगे —

→ भारत की एनर्जी बास्केट का विविधीकरण होने से भारत के जीवाश्म ईंधन के आयात पर निर्भरता घटेगी। इससे विदेशी मुद्रा भंडार में बचत होगी।

→ यह भारत के INDC के लक्ष्यों को प्राप्त करने के साथ-साथ 2022 तक 175 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा के लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद करेगा।

→ यह किसानों को अपनी उपज का पर्याप्त मूल्य प्रदान करके उनकी आय में वृद्धि करेगा।

→ बायोरिफाइनरी से प्राप्त ऊर्जा का प्रयोग जैव उर्वरक के रूप में कृषि में करने से उत्पादकता बढ़ेगी।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

→ वाहनों से उत्पन्न प्रदूषण में भी कमी आएगी।

समग्र रूप से बायोफ्यूल नीति को पर्याप्त वित्तीय व तकनीकी समर्थन प्रदान करने की जरूरत है। साथ ही किसानों को जागरूक करके इस नीति को सफल बनाया जा सकता है।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this spa

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

16. 'मानव ने अभी धरती के ई-कचरा व अपशिष्ट पदार्थों का हल खोजा भी नहीं कि अंतरिक्ष में ई-कचरा का संग्रहण एक बड़ी समस्या के रूप में विद्यमान हो गया है।' भविष्य में इसके संभावित दुष्परिणामों के संदर्भ में चर्चा कीजिये। (200 शब्द) 12.5

'While the mankind is still struggling to deal with e-waste on earth the accumulation of e-waste in space has emerged as a major problem.' Discuss its probable side effects. (200 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

विश्व में ई-कचरे के अपशिष्ट प्रबंधन के साथ-साथ नयी समस्या के रूप में अंतरिक्ष मलबा भी सामने आया है जो उपग्रह, प्रक्षेपण यानों से संबंधित है।

ई-कचरा से तात्पर्य है प्रयुक्त किये जाने के उपरांत अनुपयोगी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जैसे- मोबाइल फोन, चिप आदि। यह विश्व में 17% की वार्षिक दर से बढ़ रहा है।

परंतु अंतरिक्ष मलबा एक नयी समस्या के रूप में उभरा है। भविष्य में अंतरिक्ष मलबा के निम्नलिखित परिणाम होंगे-

→ इससे अंतरिक्षीय कक्षाओं में मलबे की एक परत निर्मित हो रही है जिसे केसलर सिंड्रोम (केस्लर) कहा गया है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

→ यह वर्तमान में कार्यरत उपग्रहों, अंतरिक्ष स्टेशनों, प्रेक्षण यानों से टकराकर उनकी सफलता को बाधित कर सकता है।

→ There is no space in space की अवधारणा नियमित रूप से बलवती होने से अंतरिक्ष को युद्ध व अंतर्राष्ट्रीय तनावों के नए क्षेत्र के रूप में बोला जाएगी।

→ भविष्य में अंतर ग्रहीय मिशनों की सुरक्षा में बाधा आ सकती है।

→ मलबे के कुछ भाग पृथ्वी पर गिरने से मानवीय व पर्यावरणीय क्षति पहुंचा सकते हैं।

→ यह अंतरिक्ष के निम्नीकरण, आउटर स्पेस ट्रिटी के उल्लंघन का कारण बन सकता है।

→ इसके अतिरिक्त भविष्य में बढ़ती जनसंख्या के लाभ संचार सुविधा उपलब्ध न होने, आपदा प्रबंधन

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

में समस्या होने से मानव विमान
क्षतिग्रस्त हो सकती है

अतः स्पेस डेब्रीस रिमूव मिशन
और नवाचारी उपायों के माध्यम से
इस समस्या का समाधान करना चाहिए।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

17. सरकार द्वारा व्यापक स्तर पर 'नमामि गंगे' जैसी परियोजना को प्रारंभ करने के बावजूद गंगा व अन्य नदियों की हालत में सुधार नहीं हुआ है। उन चुनौतियों की पहचान करें जो इन परियोजनाओं के मार्ग में बाधक बनी हुई हैं। (200 शब्द) 12.5

Despite the government launching projects like 'Namami Gange' the condition of Ganga and other rivers has not improved. Identify the challenges that have hindered the path of these projects. (200 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

नमामि गंगे परियोजना का मुख्य उद्देश्य नदीय पारितंत्र में सुधार करना है।

इसमें राष्ट्रीय, राज्य व स्थानीय भागीदारी के माध्यम से नदी प्रदूषण को कम करने का प्रयास किया गया है जैसे- सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट की स्थापना करना, गंगा ग्राम विकास योजना, निश्चित परिधि में औद्योगिक गतिविधियाँ प्रतिबंधित करना।

परंतु नदियों की हालत में सुधार नहीं हो पाया है इसमें निम्नलिखित चुनौतियाँ विद्यमान है-

→ इसमें टॉप डाउन एप्रोच को अपनाया गया है जबकि जरूरत बॉटम अप एप्रोच की है। अतः पर्याप्त

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भूतलहभागिता न होने से नीतियाँ जमीनी स्तर पर लागू नहीं हो पा रही हैं

→ सभी नदियों की अलग-अलग जरूरतें हैं। अतः सभी के लिए समसमान नीति न होकर अलग-अलग नीति होनी चाहिए।

→ नदियों के तटीय क्षेत्रों में उद्योगों व शहरों से भारी मात्रा में प्रदूषण युक्त जल को उड़ेला जा रहा है जैसे दिल्ली में यमुना तो कानपुर में गंगा नदी।

उद्योगों द्वारा सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के मानकों का उचित क्रियान्वयन नहीं किया जा रहा है

→ आर्ट ऑफ लिविंग (यमुना नदी) जैसे धार्मिक कार्यक्रमों से नदियों में प्रदूषण बढ़ता है

→ नदियों में जल प्रवाह में सतत रूप से कमी आ रही है जो चुनौती उत्पन्न कर रहा है

→ तटीय क्षेत्रों के लोगों में जागरूकता

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

की कमी है तो अंतर्राज्यीय समन्वय नहीं देखने को मिल रहा है

अतः सभी हितधारकों की उचित भागीदारी, विधानमाती गतिविधियों का पर्याप्त नियमन करने एवं पर्याप्त तकनीकी - वित्तीय समर्थन से इन परियोजनाओं को सफल बनाया जा सकता है,

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

18. प्रकाश प्रदूषण समस्त जीव-जंतुओं के लिये वायु और जल प्रदूषण जितना ही खतरनाक है। प्रकाश प्रदूषण के प्रकारों की चर्चा करते हुए उपयुक्त उदाहारण की सहायता से कथन की पुष्टि कीजिये। 12.5
(200 शब्द)

Light pollution is as harmful as air and water pollution for all organisms. Discuss the types of light pollution and justify the statement with the help of appropriate examples. 12.5
(200 words)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

प्रकाश प्रदूषण से तात्पर्य है प्रकाश का अनियंत्रित दिशा से संचलन होना है।

यह जीव-जंतुओं की दैनिक क्रियाओं में बाधा उत्पन्न करता है विशेषकर उन जीव-जंतुओं को जो प्रकाश संवेदी होते हैं।

मानवजनित प्रकाश प्रदूषण में अत्यधिक प्रकाश स्रोतों का अनियमित रूप से प्रयोग करना शामिल है।

प्राकृतिक प्रकाश स्रोतों में भूगर्भिक गतिविधियाँ जैसे ज्वालामुखी, etc शामिल है।

इसका सबसे प्रमुख उदाहरण शहरी क्षेत्र जहाँ प्रकाश की अधिकता के कारण जीव-जंतुओं की दैनिक

Copyright – Drishti The Vision Foundation

में

ite
space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

गतिविधियाँ बाधित होती है।)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this spac

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

19. प्रत्येक वर्ष प्राकृतिक आपदाएँ जितनी त्रासद होती हैं उसकी तुलना में आपदा प्रबंधन हेतु किये जाने वाले प्रयास उतने सशक्त नहीं होते। कथन को स्पष्ट करते हुए प्राकृतिक आपदाओं से निपटने हेतु कुछ कारगर उपाय सुझाएँ। (200 शब्द) 12.5

The efforts towards disaster management are not effective in comparison to the tragedies caused by natural calamities. Explain the statement and suggest some measures to deal with natural disasters. (200 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

मानव के समक्ष भूकंप, चक्रवात, सूख, बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदायें आती रहती है परंतु इनके शमन के पर्याप्त उपाय नही किये जाते है

जैसे हालिया केरल में बाढ़ के शमन के पर्याप्त प्रयासन करना जबकि भारत के समक्ष कश्मीर की बाढ़, बिहार की बाढ़ के पूर्व उदाहरण उपस्थित थे। परंतु फिर भी प्रतिक्रिया व प्रबंधन में देरी की गयी।

वहीं केपटाऊन में सूखा की स्थिति कई वर्षों से है परंतु हाल में प्रशासन जागरूक हुआ है।

अतः प्राकृतिक आपदाओं से निपटने हेतु उपायों को तीन भागों में बाँटा जा सकता है —

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

→ आपदा पूर्व उपाय :- इसमें नागरिकता से लेकर पूर्व चेतावनी प्रणाली की व्यवस्था को शामिल किया गया है।

आपदा प्रत्यास्थ अवसंरचना का निर्माण करना; बेहतर पूर्वानुमान प्रणाली विकसित करना; आपदा से संवेदनशील क्षेत्रों का मानचित्रण करना; पर्याप्त मानव संसाधन उपलब्ध होना आदि प्रमुख उपाय हैं।

→ प्राकृतिक आपदा के समय उपाय → ये आपदा की प्रकृति पर निर्भर करते हैं- जैसे आग के समय लोगों की भीड़ को नियंत्रित करते हुए बेहतर निकासी सुनिश्चित करना।

बाढ़ के समय बेहतर प्रतिक्रिया व अधिकतम रूप से मानव को बचाना तो सूखा के समय जल का दक्षतम उपयोग करना।

चक्रवात के समय लोगों को प्रभावित क्षेत्रों से निकालना।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

→ आपदा के उपरांत के उपाय → जनधन की व्यापक हानि का मूल्यांकन करना एवं उसी के अनुरूप तीव्र व समावेशी पुनर्वास कार्यक्रम चलाना।

जैसे- लोगों को आवास, रोजगार की सुविधा उपलब्ध कराना; आपदा प्रत्यास्थ अवसंरचना निर्माण; लोगों की पीड़ा, शोक की आवश्यकता के साथ-साथ भावनात्मक समर्थन करना।

अतः सेंडाई फ्रेमवर्क में वर्णित प्रकृतियों का उचित पालन करके आपदा के प्रभावों को सीमित किया जा सकता है।

कृपया इस स्थ
कुछ न लिखें।
(Please don't
anything in th

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

20. सतत् विकास लक्ष्य, 2030 की प्राप्ति के संदर्भ में प्राकृतिक आपदाओं के द्वारा उत्पन्न की जाने वाली रुकावटों का विश्लेषण कीजिये। (200 शब्द) 12.5

Analyze the obstacles created by natural disasters towards achieving the Sustainable Development Goals, 2030. (200 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this sp

सतत विकास लक्ष्य 2030 मानव के बहुआयामी विकास से संबंधित है। जो संसाधन, पर्यावरणीय, आर्थिक व सामाजिक विकास में संतुलन स्थापित करते है।

प्राकृतिक आपदायें सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति में बाधा उत्पन्न करती है

→ बाढ़ जैसी गतिविधियों द्वारा मानव क्षति व खाद्य क्षति होने के साथ-साथ मृदा जैसे अनत्यमरणीय संसाधनों को अपूरणीय क्षति होती है।

इससे खाद्य असुरक्षा, जलजनित रोग, कम खाद्यान्न उत्पादन जैसी समस्या बढ़ती है जो SDG की प्राप्ति में बाधा है।

→ नेपाल में भूकंप व भारत में बाढ़ जैसे या केदारनाथ में जलप्रलय। ये सभी

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

मानव के संसाधनों के भावी विकास में खर्च करने की अपेक्षा पुनर्वास जैसी गतिविधियों की ओर ध्यानकर्षण करते हैं जिससे वंचित वर्गों की समस्या और बढ़ती है

→ SDG में सामाजिक समानता, लैंगिक न्याय की बात कही गयी है। परंतु प्राकृतिक आपदायें महिलाओं, बच्चों, दिव्यांगों व वृद्धों को सर्वाधिक प्रभावित करती है जिससे SDG लक्ष्यों की ओर बढ़ना मुश्किल हो जाता है

→ भौतिक अवसंरचना जैसे सड़क, विद्यालय, संचार पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है जिससे व्यापार, शिक्षा, रोजगार सृजन बाधित होते हैं।

→ इसके अतिरिक्त वनाग्नि, चट्टानों, सूखा से वनों व जैवविविधता के साथ-साथ व मानवीय पारितंत्र पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है

→ साथ ही जलवायु परिवर्तन से

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

समुद्र-तल बढ़ने से तटीय बाढ़, एलनीनो, प्रवाल विरंजन की घटनाएँ बढ़ती है

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this spa

Feedback

Questions .....

Model Answer & Answer Structure .....

Evaluation .....

Staff .....

Copyright – Drishti The Vision Foundation

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

*इसमें **बीस** प्रश्न हैं तथा **हिन्दी** और **अंग्रेज़ी** दोनों में छपे हैं।*

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **TWENTY** questions printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.*

All the questions are compulsory.

The number of marks carried by a question is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

समग्र मूल्यांकन

(Overall Evaluation)

Copyright – Drishti The Vision Foundation